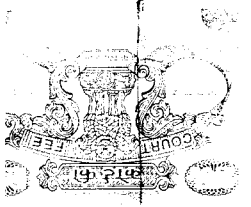


माननीय राजस्व मंडल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

रा.रि.प्र.क्र..... / 2014

प्रस्तुति दिनांक: 13/06/2014



1. कन्हैया पिता श्री शंकर गुर्जर
उम्र- 58 वर्ष, व्यवसाय- कृषि



2. राजेश पिता श्री कन्हैया गुर्जर
उम्र-37 वर्ष, व्यवसाय- कृषि



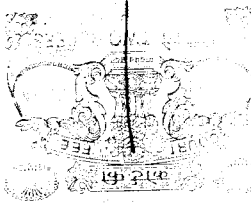
3. श्रीराम पिता श्री कन्हैया गुर्जर
उम्र-32 वर्ष, व्यवसाय- कृषि
सभी निवासी- भट्याण, तहसील कसरावद
जिला खरगोन (म.प्र)

.....प्रार्थीगण

विरुद्ध



1. रामेश्वर पिता श्री भगवान गुर्जर
उम्र- 36 वर्ष, व्यवसाय- कृषि
निवासी- नगांवा, तहसील बड़वाह
जिला खरगोन (म.प्र)



2. भगवान पिता श्री भुवानीराम गुर्जर
उम्र- 42 वर्ष, व्यवसाय- कृषि
निवासी- भट्याण, तहसील कसरावद
जिला खरगोन (म.प्र)

.....प्रतिप्रार्थीगण

श्री आशीष राय
अभिभाषक, डायरी
दिनांक 17/06/2014
श्री 17-6-14

निगरानी अंतर्गत धारा 50 सहपठित धारा 32 मध्यप्रदेश भू-राजस्व

संहिता 1959 के अंतर्गत

न्यायालय राजारव मण्डल, गैश्याप्रदेश, ग्वालिगर

अनुवृत्ति आदेश पत्र

प्रकरण क्रमांक	R 2014 -PBR / 2014	जिला	ग्वालिगर
स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	अध्याक्ष	सि. ए. ए. ए.
			अध्याक्ष

16-7-2014

आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । तहसीलदार के आदेश दिनांक 18-9-2013 की सत्य प्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा मुख्य रूप से तर्क प्रस्तुत किया गया कि तहसीलदार द्वारा अंतरिम आदेश पारित कर अंतिम स्वरूप की राहत अनावेदकगण को प्रदान कर दी गई है । यह भी कहा गया कि अनावेदकगण द्वारा हाल ही में भूमि कर की गई है और उनके लिये वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध होने के बावजूद आवेदकगण की भूमि में से रास्ता साहल को अंतिम दिन में तहसीलदार द्वारा अवैधानिकता की गई है । तहसीलदार के आदेश को देखने से स्पष्ट है कि तहसीलदार द्वारा अंतरिम आदेश पारित कर यह निष्कर्ष निकालत हुये कि अनावेदकगण के लिये कोई वैकल्पिक रास्ता दीया पर उपलब्ध होने के प्रश्नाधीन रास्ता स्थल जाने का आदेश दिया गया है, जिसमें प्रथम मुद्दे पर कोई अवैधानिकता परिलक्षित नहीं होती है । चूंकि तहसीलदार द्वारा प्रकरण का अंतिम निराकरण किया जाता है, अतः आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक का यह तर्क उचित नहीं है कि तहसीलदार द्वारा अंतरिम आदेश की राहत प्रदान कर दी गई है। इससे अतिरिक्त तहसीलदार द्वारा आवेदकगण का सुनवाई के प्रश्न सम्बंधित प्रश्नोत्तर प्रकरण प्रारंभिक प्रश्नोत्तर व साक्ष्य से प्रश्नोत्तर रास्ता परंपरागत प्रश्नोत्तर प्रणाली के अनावेदकगण के लिये वैकल्पिक रास्ता होने के तथ्य को प्रमाणित कर सकत है । प्रश्नोत्तर विश्लेषण के परिणाम में यह निराकरण प्रमाण प्रमाण आधारित अनावेदकगण अग्राह्य की जाती है ।

Handwritten signature and date
15/7/14

(रवदीप सिंह)
अध्यक्ष